अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–179 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 29 सितम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

दलित बच्ची की हत्या मामले की निष्पक्ष जांच हो : मायावती

लखनऊ (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अलीगढ़ जिले में एक बच्ची की कथित रूप से बलात्कार के बाद हत्या के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मायावती ने मंगलवार को एक ट्वीट कर कहा ष्अलीगढ़ जिले में एक दलित बच्ची का शव धान के खेत में पड़ा मिला। परिवार वालों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का अंदेशा जताया है। यह घटना अति गम्भीर व दुखद है। सरकार इस मामले की सही से जाँच कराकर पीड़ित परिवार को न्याय दे, बसपा की यही माँग है। गौरतलब है कि अलीगढ़ जिले में सोमवार को चार साल की एक बच्ची का शव खेत में पाया गया था। बच्ची रविवार शाम से लापता थी और बाद में उसका शव मिला ।जिसके बाद नाराज ग्रामीणों और एक पुलिसकर्मी के बीच तीखी झड़प हुई थी। बाद में भीड़ ने पुलिसकर्मी पर पथराव किया था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों पर हल्का बल प्रयोग कर उन्हें तितर–बितर किया। लड़की के परिजन का आरोप है कि रविवार शाम बच्ची के लापता होने के फौरन बाद उन्होंने थाने में रिपोर्ट लिखाने के लिए तहरीर दी लेकिन पुलिस ने कई घंटों तक हीला हवाली करते हुए मामला दर्ज नहीं किया। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने अगर मुस्तैदी दिखाते हुए फौरन कार्रवाई की होती तो बच्ची की जान बचाई जा सकती थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिया किसानों को तोहफा, विशेष लक्षणों वाली फसलों की 35 किस्म का किया लोकार्पण

नई दिल्ली। द्वारा विकसित विशेष लक्षणों वाली फसलों की 35 किस्मों का लोकार्पण किया। फसल की इन किस्मों को आईसीएआर के सभी संस्थानों, प्रत्येक राज्य और केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समूचे देश को समर्पित किया गया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक, 2021 में, जलवायु की विपरीत स्थितियों से निपटने की क्षमता और उच्च पोषक तत्वों जैसे विशेष लक्षणों वाली फसल की 35 किस्में विकसित की गईं। इनमें चना की सूखा सहिष्णु किस्म, मुरझाने और बांझपन एवं रोगाणु से होने वाली बीमारी (मोजेक) प्रतिरोधी अरहर, सोयाबीन की जल्दी पकने वाली किस्म, चावल की रोग प्रतिरोधी किस्में और गेहूं की जैविक मजबूत किस्में, बाजरा, मक्का और चना, क्विन्वा, कूटू, विंग्ड बीन और फैबा बीन शामिल हैं।

किसान की आय बढ़ाना लक्ष्य

इन विशेष लक्षण वाली फसल किस्मों में वे तत्व भी शामिल हैं जो मानव और पशु स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कुछ फसलों में पाए जाने वाले पोषण–विरोधी कारकों को दूर करते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश में 86 प्रतिशत किसान छोटे किसान हैं और प्रधानमंत्री का लक्ष्य इन किसानों की आय

बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि किसानों को दूसरों की करुणा पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि खुद के बल पर उठना चाहिए। इस उद्देश्य से उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री–किसान जैसी कई योजनाएं और किसान रेल के माध्यम से परिवहन सुविधाएं शुरू की गई हैं।

व्यापक अध्ययन कराया जाएगा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राष्ट्रीय जैविक तनाव सहिष्णुता संस्थान, रायपुर के नवनिर्मित परिसर के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान राज्य में कृषि को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन दुनिया भर में चिंता का कारण है। हम अपने क्षेत्र में इसका प्रभाव देख रहे हैं। दो कारण हैं – एक प्राकृतिक है और दूसरा मिट्टी में कार्बन में कमी है। उन्होंने देश में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का पता लगाने के लिए व्यापक अध्ययन कराने पर जोर दिया। कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्य, पशु एवं कुक्कुट पालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी और शोभा करंदलाजे और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह मौजूद थे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण में लगेगा विशेष नामान्तरण शिविर

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में नामान्तरण सम्बन्धी प्रकरणों के त्वरित समाधान हेतु एक सप्ताह के लिए 'विशेष नामान्तरण शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर दिनांक 29. 09. 2021 से 05.10.2021 तक सुबह 11:00 बजे से दोपहर 02: 00 बजे तक प्राधिकरण भवन के भूतल स्थित कमेटी हाल में लगेगा। इसमें लखनऊ विकास प्राधिकरण की लीज पर आवंटित सम्पत्तियों और प्राधिकरण द्वारा विकसित ऐसी योजनाओं जिनका हस्तानान्तरण नगर निगम को नहीं किया गया है, की सम्पत्तियों के नामान्तरण सम्बन्धी प्रकरणों का समाधान किया जायेगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार गंगवार ने बताया कि आवंटियों की सुविधा के लिए यह विशेष शिविर लगाया जा रहा है। इसमें नामान्तरण से सम्बन्धित नये आवेदन भी ऑनलाइन स्वीकार किये जायेंगे। शिविर के सुचारू संचालन हेतु विशेष कार्याधिकारी राजीव कुमार को नोडल अधिकारी और नायब तहसीलदार स्निग्धा चतुर्वेदी को सहायक नोडल अधिकारी नामित किया गया है। नोडल अधिकारी द्वारा शिविर में आने वाले समस्त आवंटियों की व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए अपेक्षित निराकरण सुनिश्चित कराया जायेगा। वहीं, सम्पत्तियों के लम्बित नामान्तरण प्रकरणों के सम्बन्ध में सचिव ने समस्त सम्पत्ति अधिकारियों को पटलवार सेक्टरवार अद्यतन सूची तैयार करने और उनकी समीक्षा कर इस शिविर में उनके निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। सचिव ने बताया कि समस्त सम्पत्ति अधिकारी सम्बन्धित स्टाफ के साथ शिविर में उपस्थित रहेंगे, जिससे कि आवंटियों को किसी तरह की कोई समस्या न हो।

गोंडा: राज मंत्री पलटू राम का डुमरिया डीह पर किया गया जोरदार स्वागत

अवध की आवाज

ब्यूरो चीफ, गोंडा

गोंडा। योगी आदित्यनाथ सरकार में राज्य मंत्री बनाए गए पलटूराम बलरामपुर सदर

से विधायक पलटू राम का पहली बार जनपद आगमन पर जोरदार ढंग से किया गया स्वागत । डुमरियाडीह चौराहे पर अमित सिंह और बंटू सिंह ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस प्रकार से बताते चलें कि लखनऊ से गोंडा आ रहे राज मंत्री पलटू राम का अयोध्या गोंडा नेशनल हाईवे पर डुमरियाड़ीह चौराहे पर पूर्व प्रधान बंटू सिंह और युवा नेता अमित सिंह द्वारा सैकड़ों साथियों के साथ जोरदार स्वागत किया गया । इस अवसर राज मंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने ऐतिहासिक कार्य किया है। इस तरह से 2022 में फिर भी भाजपा की सरकार बनेगी । आगे उन्होंने कहा कि लोगों को मुफ्त में राशन और इलाज की व्यवस्था कराई उसे भुलाया नहीं जा सकता और देश को गुंडा माफियाओं के चंगुल से मुक्त कराने का काम सिर्फ योगी आदित्यनाथ के द्वारा संभव था उन्होंने साबित कर दिया है आगे राज मंत्री ने कहा कि सभी जाति धर्म लोगों का मान सम्मान भाजपा पार्टी में ही सुरक्षित है जबकि अन्य दलों के लोग वोट के लालच में सभी लोगों को इस्तेमाल करते हैं।

सोनभद्र में दो सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

सोनभद्र (उप्र) (वेब वार्ता)। सोनभद्र जिले के दो थाना क्षेत्रों में मंगलवार को सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। थाना मयोरपुर के प्रभारी निरीक्षक अश्वनी त्रिपाठी ने बताया कि आश्रम मोड़ और रनटोला के बीच जंगल में एक व्यक्ति की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई, शव पूरी तरह से क्षतविक्षत हो जाने के कारण मृतक की पहचान नहीं हो सकी स मुर्धवा–बीजपुर मार्ग पर हुए इस हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एक अन्य दुर्घटना में राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बगही गांव के समीप आटो और एक अन्य वाहन की आमने–सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। राबर्ट्सगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आटो सवार रामवक्ष यादव (65) व राजू (18) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं आटो में सवार पांच अन्य लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा है .दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी का धर्म प्रचार करता वीडियो वायरल, जांच के लिए एसआईटी गठित

कानपुर/लखनऊ, (उत्तर प्रदेश (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के अध्यक्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी मोहम्मद इफ्तिखारउद्दीन द्वारा कथित रूप से अपने सरकारी आवास पर धार्मिक सभा आयोजित कर इस्लाम के प्रचार संबंधी तकरीर किए जाने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं,जिसके बाद सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया है। कहा जा रहा है कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो उस वक्त का है जब इफ्तिखारउद्दीन कानपुर के मंडलायुक्त थे। यह नहीं पता चला सका है कि वीडियो किस तारीख का है। वीडियो में आईएएस अधिकारी कुछ मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ बैठे नजर आ रहे हैं और कथित रूप से देश के हर घर तक इस्लाम फैलाने की नीतियों पर बात कर रहे हैं। ऐसा ही एक अन्य वीडियो भी जारी हुआ है जिसमें इफ्तिखारउद्दीन अपने सरकारी आवास में जमीन पर बैठे हैं और एक वक्ता कट्टरता भरा बयान दे रहा है। भूपेश अवस्थी नामक व्यक्ति ने इस मामले में इफ्तिखारउद्दीन के खिलाफ राज्य सरकार से लिखित शिकायत की थी और उसने वीडियो भी उपलब्ध कराए थे। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संवाददाताओं से बातचीत में इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया है। गृह विभाग ने एक ट्वीट में बताया कि कानपुर के आईएएस अधिकारी इफ्तिखारउद्दीन के मामले में शासन ने एसआईटी को जांच के आदेश दिए हैं। एसआईटी के अध्यक्ष सी बी सी आई डी के महानिदेशक जीएल मीणा हैं जबकि कानपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर इसके सदस्य हैं। एसआईटी सात दिनों के अंदर शासन को अपनी रिपोर्ट देगी। कानपुर के पुलिस आयुक्त असीम अरुण ने बताया कि अपर पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) सोमेंद्र मीना को आईएएस अधिकारी इफ्तिखारउद्दीन के उन कथित वीडियो की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि इस बात की जांच की जा रही है कि क्या ये वीडियो वास्तविक हैं और क्या उनमें दिखाई जा रही सामग्री में कोई अपराध होना पाया जाता है या नहीं।

कानपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से डेंगू के बढ़ रहे मरीज

कानपुर, (वेब वार्ता)। मौसम के बदले मिजाज से खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू का कहर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। कुरसौली गांव में ही अब तक 13 मरीजों की मौत हो चुकी है, जिनमें तीन में निजी लैब से डेंगू की पुष्टि हुई थी। हालांकि स्वास्थ्य विभाग बराबर छिड़काव कर डेंगू के लार्वा को खत्म कर रहा है और बेहतर इलाज से रिकवरी रेट भी तेजी से बढ़ रहा है। सितम्बर माह में इस वर्ष 10 साल बाद बराबर दक्षिण पश्चिम मानसून सक्रिय है, कभी तेज बारिश तो कभी तेज धूप से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। इसके चलते डेंगू का कहर बराबर बढ़ता ही जा रहा है। खासकर ग्रामीण इलाके सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। जनपद में अब तक 201 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है, जिसमें 164 मरीज ग्रामीण क्षेत्र के हैं और 37 मरीज शहरी क्षेत्र के हैं। अकेले कल्याणपुर के कुरसौली गांव में 13 लोगों की मौत हो चुकी है, मेडिकल टीमें गांवों में चौबीस घंटे कैंप कर रही हैं। यह अलग बात है कि सरकारी आंकड़ों में डेंगू से एक भी मौत नहीं हुई है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. नैपाल सिंह ने बताया कि डेंगू के लार्वा को नष्ट करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों में दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। अब तक जनपद में 169 मरीज इलाज के उपरांत स्वस्थ हो चुके हैं। जिले में डेंगू के सक्रिय केस 32 हैं, उनका इलाज चल रहा है। सीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता से तेजी से जहां रिकवरी रेट बढ़ा है तो वहीं अब बुखार के मरीजों में भारी कमी देखी जा रही है। बताया कि कुरसौली गांव के 47 घरों में डेंगू का लार्वा मिला है। उसे स्वास्थ्य कर्मचारियों ने नष्ट कराया है। घरों में एंटी लार्वा दवा का भी छिड़काव कराया है। जलभराव न होने देने के प्रति जागरूक भी किया गया।

बहराइच में सरिया फैक्टरी में क्रेन टूटने से एक मजदूर की मौत, चार घायल

बहराइच (उप्र) (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के रिसिया थाना क्षेत्र में आसाम रोड स्थित सरिया फैक्टरी में मंगलवार तड़के क्रेन (भार उठाने वाली मशीन) का एक हिस्सा टूट गया, जिसके नीचे दबने से एक मजदूर की मौत हो गयी और चार मजदूर घायल हो गये। घायलों में तीन की हालत गंभीर है। पुलिस अधीक्षक सुजाता सिंह ने पत्रकारों को बताया कि आसाम रोड पर सरिया फैक्टरी में रात्रि पाली में काम चल रहा था। मंगलवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे क्रेन का एक हिस्सा टूटा गया और इसके नीचे पांच मजदूर दब गए। जिनमें बिहार के चंपारण निवासी संजय (25) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सिंह ने बताया कि चार घायलों को इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया, जहां से तीन मजदूरों अनिल कुमार, दुर्गेश और राहुल कुमार को लखनऊ रेफर किया गया है वहीं मोहम्मद हसनैन का बहराइच में इलाज चल रहा है। घटनास्थल पर पर्याप्त पुलिस बल मौजूद है और विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और दोषी पाए गये व्यक्तियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रदर्शनकारी कांग्रेस पदाधिकारियों को कलेक्ट्रेट जाने से रोका, सौंपा ज्ञापन

लखनऊ (वेब वार्ता)। कांग्रेस के महानगर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को लखनऊ कचहरी के निकट प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट जाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका तो कांग्रेस पदाधिकारियों ने राज्यपाल के नाम से अपना ज्ञापन एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव को सौंपा। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनके नेता प्रमोद तिवारी, आराधना मिश्रा सहित तमाम साथियों के विरुद्ध सरकार ने गलत मुकदमा कायम कराए गए हैं। मुकदमा वापस लेने के लिए और पूरे मामले की जांच कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार विपक्षी दलों के नेताओं पर फर्जी मुकदमा कायम कर आ रही है। बीते दिनों कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ भी हजरतगंज थाने में फर्जी मुकदमा कायम किया गया था। इसी तरह प्रतापगढ़ के सांगीपुर थाने में फर्जी मुकदमा लिखा गया है।

मानचित्रों के निस्तारण हेतु ल.वि.प्रा.में लगेगा विशेष मानचित्र समाधान कैम्प

आवास एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम (ओ.बी.पी.ए.एस.) पर मानचित्रों के निस्तारण के सम्बन्ध में विशेष मानचित्र समाधान कैम्प आयोजित करने के आदेश दिये गये हैं। प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार गंगवार ने बताया कि उपरोक्त आदेशों का अनुपालन किये जाने हेतु लम्बित मानचित्रों तथा लम्बित शमन मानचित्रों के निस्तारण के लिए प्राधिकरण भवन के भूतल स्थित कमेटी हाल में दिनांक 30 सितम्बर से 07 अक्टूबर, 2021 तक मानचित्र समाधान विशेष कैम्प आयोजित किया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रत्येक माह के प्रथम बृहस्पतिवार को भी मानचित्र समाधान कैम्प का आयोजन होगा।

मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला से 8 लोगों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तरप्रदेश की राजधानी के आलमबाग इलाके में आठ ऑटोरिक्शा चालकों के एक समूह ने मानसिक रूप से अस्वस्थ एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सामूहिक दुष्कर्म के नौ आरोपियों में से चार को लखनऊ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक महिला समेत पांच अन्य फरार हैं। खबरों के मुताबिक, एक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी की बेटी 23 सितंबर को लापता हो गई थी और उसके पिता ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। 24 सितंबर को आलमबाग थाने से उनके पास फोन आया और वहां उन्होंने अपनी बेटी को घायल और फटे कपड़ों में पाया। इसके बाद उसने दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की।महिला ने अपने पिता को बताया कि पुरुषों के एक समूह ने उसे घर छोड़ने का वादा करते हुए एक ऑटोरिक्शा में बैठने के लिए कहा था। इसके बजाय, उसे आलमबाग में रेलवे कॉलोनी ले जाया गया जहां आठ लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसकी पिटाई की। वहां एक महिला भी थी। इलाके के सीसीटीवी फुटेज को स्कैन कर इन लोगों का पता लगाया गया और सोमवार को इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। मध्य क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सम्पादकीय

विश्व शांति और स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता

हम सभी स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण 11 सितंबर 1893 के संदर्भ में उसकी ऐतिहासिकता एवं सार्वभौमिकता पर चर्चा करते हैं। हिंदू धर्म के सर्व कल्याणक, सर्व समावेशी एवं वसुधैव कुटुंबकम के अधिष्ठान को प्रकट करने वाला वह भाषण था। पराधीनता के कालखंड में स्वामी विवेकानंद के भाषण ने भारत एवं भारतीयता को विश्व में प्रतिष्ठा प्रदान की। भारतीय संस्कृति के गौरव को उच्च स्थान पर अधिष्ठित किया। इसी विश्व धर्मसभा के समापन के अवसर पर 27 सितंबर 1893 का भाषण भी उद्घाटन के समान ही गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक था।जिसने विश्व शांति के मार्ग में लहराते संकटों से बचने एवं विश्व शांति स्थापना के लिए अचूक मार्गदर्शन किया। समापन के अवसर पर अपने भाषण में आयोजकों को धन्यवाद देते हुए स्वामी जी ने कहा था कि 'एकता किसी एक धर्म के विजय और बाकी धर्मों के विनाश से सिद्ध होगी, तो उनसे मेरा कहना है कि भाई तुम्हारी यह आशा असंभव है। क्या मैं यह चाहता हूं कि ईसाई लोग हिंदू हो जाएं ? कदापि नहीं। ईश्वर भी ऐसा ना करें ! क्या मेरी यह इच्छा है कि हिंदू और बौद्ध लोग ईसाई हो जाएं, ईश्वर इस इच्छा से बचाएं।'

9 सितंबर 2021 को केरल के सायरा मालाबार चर्च पाला धर्मप्रांत के बिशप मार जोसेफकल्लारगंट ने केरल में चलने वाले धर्मान्ध मुस्लिम जेहाद के संबंध में चिंता व्यक्त की। बिशप महोदय का दावा है कि 'कैथोलिक लड़कियां नारकोटिक एवं लव जिहाद का शिकार हो रही हैं।' उनका कहना यह भी है कि उनकी मदद के लिए एक संगठित समूह है, जो धर्मांतरण एवं जेहाद में आर्थिक सहित सभी प्रकार की मदद करता है। केरल सहित देश के सभी हिस्सों में हिंदू समाज इस जेहादी मानसिकता से जूझ रहा है। लव, लैंड, नारकोटिक, मतान्तरण इसी जेहाद के अलग–अलग स्वरूप है। केरल, बंगाल, असम, पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेक हिस्सों में इसका भयावह स्वरूप प्रकट हो रहा है। देश के अनेक शहरों में हिंदू को पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

जिस प्रकार की चिंता बिशप महोदय ने की, वह केरल के संबंध में पुलिस एवं गुप्तचर एजेंसिया पहले भी कर चुकी हैं। बिशप महोदय की चिंता तभी प्रकट हुई जब कैथोलिक लड़कियां इन जिहादियों का शिकार हुई। ईसाई मिशनरियाँ भी विश्व में अपने वर्चस्व को स्थापित करने के लिए भारत में धर्मांतरण का यह गोरखधंधा लंबे समय से चला रही हैं। देश के सुदूर वनवासी, जनजाति क्षेत्रों, पर्वतीय क्षेत्रों एवं शहरों की झुग्गी झोपड़ियों में वहां रहने वाले दुर्बल, गरीब समाज की मजबूरी का फायदा उठाकर धर्मांतरण करती हैं। झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर पूर्वांचल में अनेक प्रकार के संघर्ष का कारण यह धर्मांतरण ही है। धर्मांतरण के संबंध में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि ' एक हिंदू का धर्मांतरण केवल एक हिंदू का कम होना नहीं, बल्कि देश के एक शत्रु का बढ़ना है।'

दुनिया के हर हिस्से में आतंक एवं हिंसा की गतिविधियां सक्रिय है। अभी–अभी हम अफगानिस्तान में तालिबानी गतिविधियां देख रहे हैं। तालिबान का अफगानिस्तान में कब्जा होते समस्त विश्व ने देखा है। आतंक के सहारे एक देश पर इस प्रकार का कब्जा दुनिया भर की शांति के लिए खतरा एवं आतंकवादी शक्तियों को बढ़ावा देने वाला है। इस विभीषिका भरी सफलता से दुनिया भर के आतंकी समूह प्रसन्न हो रहे हैं। आतंकवादी संगठनों को लगता है कि अब हम अन्य स्थानों पर भी इसी प्रकार की सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आतंकी संगठनों द्वारा जेहाद पहले तो दूसरे धर्म के लोगों के साथ होता था, लेकिन अफगानिस्तान में तो अपने ही धर्म के लोगों को मारने का सिलसिला चल रहा है। शरीयत को लागू करने के नाम पर अपने ही धर्म की महिलाओं पर अत्याचार, शिक्षा विहीन करना, यह कौन सा जेहाद है ? दुनिया महिला सशक्तिकरण की ओर बढ़ रही है, ऐसे में तालिबान महिला विकास मंत्रालय बंद करके अपनी ही महिलाओं को निरक्षर, रोजगार विहीन करके शक्तिहीन बना रहा है। यह सब जेहाद के नाम पर ही हो रहा है।

केरल के बिशप महोदय की चेतावनी हो, अफगानिस्तान की घटनाएं हों, घटनाओं को समर्थन करता पाक हो। विश्व में चलने वाली ऐसी हिंसक घटनाओं पर विश्व मौन है ! विश्व की महाशक्तियां अपने स्वार्थ के तराजू पर हानि–लाभ का गणित लगा रही हैं। इन महाशक्तियों ने अनेक देशों में इस आतंक को बढ़ावा देने का कार्य भी किया है। भारत में भी मानवाधिकारों की बात करने वाले संगठन, महिला अधिकारों के नाम पर छोटी–छोटी घटनाओं को भी विशाल आकार देने वाले महिला संगठन सभी मौन है। तथाकथित सेकुलर शक्तियों को भी सांप सूंघ गया है। इस निष्क्रियता के कारण समाज को तोड़ने वाली शक्तियों का मनोबल ही बढ़ता है। यदि विश्व में शांति स्थापित करनी है तब समाज की बेहतरी, सुरक्षा, सहिष्णुता और सह अस्तित्व का वातावरण आवश्यक है।

स्वामी विवेकानंद ने अपने भाषण में चेतावनी देते हुए कहा था कि 'इन प्रत्यक्ष प्रमाणों के बावजूद भी कोई ऐसा स्वप्न देखे कि अन्य धर्म नष्ट हो जायेंगे, और केवल उनका ही धर्म बचेगा, तो उस पर मैं अपने हृदय के अंतराल से दया करता हूं और उसे स्पष्ट बता देना चाहता हूं कि शीघ्र ही सारे प्रतिरोधों के बावजूद प्रत्येक धर्म की पताका पर यह लिखा रहेगा– सहायता करो– लड़ो मत, परभाव ग्रहण, न कि परभाव विनाश, समन्वय और शांति न कि मतभेद और कलह।'

हिंसा एवं आतंक से युक्त इस सारे वातावरण में भारत एवं उसका धर्म ही विश्व को एक दिशा देने में समर्थ है क्योंकि भारतीय मेधा ने सदैव दूसरे विचारों का सम्मान किया है। अपना विचार थोपने के लिए कोई आक्रमण नहीं किया। दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिया है। विश्व शांति को स्थापित करने के लिए भारतीय समाज को अपनी सनातन संस्कृति का गौरव लेकर शक्तिशाली होना होगा। इसी का आह्वान स्वामी जी ने अपने अनेक भाषणों में किया है। स्वामी विवेकानंद के यह विचार ही विश्व शांति की गारंटी हो सकते हैं जिसमें उन्होंने कहा है कि 'मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूं जिसने दुनिया को सहनशीलता एवं सार्वभौमिकता का पाठ पढ़ाया है। हम केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में ही विश्वास नहीं करते, बल्कि विश्व के सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं।

11 सितंबर 1893 के शिकागो विश्व धर्मसभा के उद्घाटन भाषण की सार्थकता को समझ कर विश्व सक्रिय हो।

जिसमें उन्होंने शिव महिमा स्तोत्र के श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा था कि–

रुचीनां वैचित्र्यादृजुकुटिल नानापथजुषां।
नृणामेको गम्यस्त्वमसि पयसामर्णव इव।।

जैसे नदियां अलग–अलग स्रोतों से निकलकर आखिर में समुद्र में जाकर मिलती हैं। वैसे ही मनुष्य अपनी इच्छा के अनुसार अलग–अलग रास्ते चुनता है। एकमात्र यही विश्व शांति का मार्ग है।

हिन्दू धर्म सनातन क्यों है?

–ओमप्रकाश श्रीवास्तव–

हिन्दू धर्म में ऐसा क्या है जिसके कारण वह सनातन है, वह न तो खतरे में पड़ सकता है और न ही नष्ट हो सकता है। सनातन का अर्थ है जो सदैव से है और सदैव रहेगा। जिसका न प्रारंभ है और न ही अंत है और जो सदैव नवीन बना रहता है। जब फारस की ओर से लोग भारत आए तो सिंधु नदी के इस पार रहने वालों को उन्होंने हिंदू कहना शुरू कर दिया और उनके धर्म को हिंदू धर्म कहने लगे। इसलिए भौगोलिक आधार पर नामकरण 'हिंदू धर्म' हो गया। इसके पहले, इस धर्म की विशेषताओं के कारण इसका नाम सनातन धर्म था, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह धर्म सदैव से है और सदैव रहेगा। हर धर्मावलम्बी अपने धर्म पर गर्व करते हुए उसे सर्वोत्कृष्ट मानते हैं। इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि आर्यों ने भी अपनी आस्था और विश्वास के कारण अपने धर्म को सनातन कहना शुरू कर दिया होगा, परन्तु गहराई से विचार करने पर पता चलता है कि हिन्दू धर्म जिन तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित है वे मानव निर्मित नहीं हैं, वे इस सृष्टि में स्वमेव अस्तित्व में आए हैं। यह सृष्टि का स्वाभाविक धर्म है, इसलिए सनातन है।

पहले विज्ञान की बात करें। प्रकृति के नियम स्वमेव पैदा हुए हैं। प्रकृति उन्हीं नियमों से चलती है, भले ही हम उन्हें जाने या न जानें। प्रकृति के इन्हीं नियमों की खोज विज्ञान है। जब हम गुरुत्वाकर्षण नियम नहीं जानते थे तब भी पेड़ से टूटा फल जमीन पर ही गिरता था। नियम जाने बिना भी पक्षी आसमान में उड़ते थे। विज्ञान के नियम इस ब्रह्माण्ड में सार्वभौमिक हैं। अमेरिका और भारत का भौतिक विज्ञान एक है। अफ्रीका और यूरोप का रसायन शास्त्र भी एक है। पूरी पृथ्वी पर जीव विज्ञान एक ही है। कोई यह नहीं कह सकता कि मुझे वर्तमान भौतिकी के नियमों पर विश्वास नहीं है, मैं तो अपनी भौतिकी अलग से बनाऊँगा। यह विश्वास की बात नहीं है, अनुभव की बात है कि विज्ञान सर्वत्र एक सा है।

प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग ने अपनी विख्यात पुस्तक 'अ ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ टाइम' में लिखा है कि आज से लगभग 1350 करोड़ वर्ष पूर्व हुए महाविस्फोट (बिग बैंग) से हमारे ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति हुई। इसके साथ ही समय का जन्म हुआ, पदार्थ और ऊर्जा प्रकट हुई और प्रकृति के नियम अस्तित्व में आये। उन्हीं नियमों के अनुसार विभिन्न आण्विक व रासायनिक क्रिया

होने लगीं, पिंड आपस में गुरुत्वाककर्षण से आकर्षित होने लगे, नाभिकीय और विद्युत–चुम्बकीय बल अपना कार्य करने लगे आदि। नोवा हरारी अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'सेपियन्स' में लिखते हैं कि बिग बैंग के 3 लाख साल बाद पदार्थ और ऊर्जा संयुक्त होकर परमाणु बने यह रसायन शास्त्र का जन्म था। इसके 380 करोड़ वर्ष बाद पृथ्वी पर जीवन की प्रारंभिक जटिल संरचना

बनीं। इस प्रकार जीव विज्ञान का जन्म हुआ। अब वैज्ञानिक निर्विवाद रूप से मानते हैं कि विज्ञान का जन्म इसी ब्रह्माण्ड में हुआ, उसके नियम इसी ब्रह्माण्ड से संबंधित हैं। इसलिए जब कभी यह ब्रह्माण्ड समाप्त होगा तो यह नियम भी समाप्त हो जा

ंगे। इस ब्रह्माण्ड के बाहर के जो ब्रह्माण्ड हैं अर्थात् जिनका जन्म हमारे बिग बैंग से नहीं हुआ वहॉ स्थितियॉ भिन्न होंगी और हमारी विज्ञान वहॉ लागू नहीं होगी। अब हम चेतना की बात करें। जीवित और मशतक का फर्क तो सभी समझते हैं और मानते हैं कि जीवित में कुछ तो ऐसा है जो मरने पर बाकी नहीं बचा। जो समाप्त हो गया उसे चेतना कहते हैं। कुछ व्यक्ति मानते हैं कि चेतना प्रकृति के तत्त्वों से उसी प्रकार बनी है जैसे शरीर बना है। उनके मत से ईश्वर का कोई अस्तित्व नहीं है। विज्ञान ही सबकुछ है। उनकी खोज विज्ञान तक ही सीमित हो जाती है। परंतु ध्यान रहे इतनी प्रगति के बाद भी विज्ञान चेतना को नहीं समझ सका है। दूसरे वे व्यक्ति होते हैं जो इस चेतना की खोज में आकर्षित होते हैं। इस चेतना या अस्तित्व का स्वभाव ही आध्यात्म है। इस परम चेतना की खोज या अनुभव करने का रास्ता बताने के लिए धर्मों का उदय हुआ। यह प्रक्रिया विभिन्न धर्मों ने अपने–अपने तरीकों से बताई है और इस परम चेतना को अलग–अलग नाम जैसे ब्रह्म, ईश्वर, परमपिता, गॉड, अल्लाह आदि दिये हैं।

जैसे प्रकृति के नियम (विज्ञान) सर्वत्र एक से हैं वैसे ही चेतना के नियम भी सर्वत्र एक से होते हैं। अंतर यह है कि विज्ञान, प्रकृति पर आधारित है इसलिए हमारे ब्रह्माण्ड तक ही लागू हैं, वहीं चेतना, अभौतिक है, सशष्टि से अलग है इसलिए ब्रह्माण्ड की सीमा से परे सर्वत्र व्याप्त है। अब प्रश्न यह है कि इस चेतना का अनुभव कैसे करें ? हमारा मस्तिष्क उन्हीं तत्त्वों से बना है जो प्रकृति के अंश हैं। लिहाजा मस्तिष्क की पहुँच इसी ब्रह्माण्ड तक सीमित है। इसीलिए वह तर्क और विज्ञान तो समझ लेता है परंतु चेतना का अनुभव उसके पल्ले नहीं पड़ता। हमारा मस्तिष्क काल और दिक् (टाइम और स्पेस) के परे नहीं जा पाता। दूसरे शब्दों में कहें तो इस ब्रह्माण्ड के त्रिविमीय तत्वों से बना मस्तिष्क ब्रह्माण्ड से बाहर तक फैली किसी चीज का भान नहीं कर सकता इसलिए परम चेतना या ईश्वर विचार, बुद्धि या पांडित्य (जो कि मस्तिष्क के विषय हैं) से जाना नहीं जा सकता।

सनातन धर्म कहता है कि वह चेतना हम सब के अंदर है। उसका अनुभव इसलिए नहीं हो पाता क्योंकि मस्तिष्क के उत्पाद दृ मन, बुद्धि और अहंकार दृ चेतना को घेरे हैं। इस घेरे को ही माया कहा गया है। सनातन धर्म मानता है कि जब यह घेरा टूटता है तो परम चेतना प्रकाशित होने लगती है। सनातन धर्म इस घेरे को तोड़ने की जो प्रक्रिया बताता है वह सशष्टि में स्वयं उद्भुत तत्वों व सिद्धांतों पर आधारित है इसलिए सभी मनुष्यों के लिए समान है चाहे वह किसी भी रंग, जाति या नस्ल के हों।

सनातन धर्म किसी कल्पना लोक में नहीं विचरता। वह मनुष्य के शरीर से शुरू करता है। मनुष्य के शरीर में संसार को अनुभव करने के लिए 5 अंग– ऑख, कान, नाक, जीभ और त्वचा हैं, जिन्हें ज्ञानेंद्रियॉ कहते हैं। इसी प्रकार से संसार में काम करने के लिए 5 ही अंग हैं जिन्हें कर्मेन्द्रियॉ कहते हैं। वह हैं– हाथ, पैर, मुँह, लिंग और गुदा। इन इंद्रियों का नियंत्रण मन के पास होता है। इसलिए वह शरीर के माध्यम से मन पर नियंत्रण (मनोनिग्रह) की बात करता है। वह शरीर के नियंत्रण के लिए यम, नियम, आसन, प्राणायाम आदि तरीके बताता है। नियंत्रित शरीर में ही जीव प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के माध्यम मन, बुद्धि और अहंकार को पार कर परम चेतना का अनुभव कर सकता है। सनातन धर्म, प्रकृति को पंच महाभूतों– पश्थ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु से बना हुआ मानता है। प्रकृति का विश्लेषण विज्ञान करती है और परमाणु और अब क्वांटम भौतिकी तक जा पहुँची है। परंतु जब हम प्रकृति को सम्पूर्णता में (संश्लेषण) देखते हैं तो भौतिक पदार्थों के आधार यही पंच महाभूत हैं। संसार के किसी भी कोने में कोई भी चर–अचर बस्तु होगी वह इन्हीं पंचमहाभूतों पर आधारित होगी।

सनातन धर्म ईश्वर प्राप्ति के लिए संसार को बाधा नहीं बल्कि सहायक मानता है। इसलिए जीवन जीने की ऐसी व्यवस्था बताता है जिससे संसार का अनुभव हो और जब इस अनुभव से संसार की निरर्थकता समझ में आ जाए तब मनुष्य की चेतना अगले स्तर पर पहुँचाने की व्यवस्था की जाए। इसलिए जीवन को चार आश्रमों– ब्रह्मचर्य (विद्याध्यन तथा शरीर सौष्ठव हेतु), गार्हस्थ (पारिवारिक जीवन, परस्पर सहयोग हेतु), वानप्रस्थ (संसार के दायित्वों से मुक्ति की शनैः शनैः तैयारी) तथा संन्यास (संसार से दूर होकर पूरी तरह परम चेतना के अनुभव हेतु) दृ बॉटा गया। जीवन के चार पुरुषार्थ बताए गये– अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष। यहॉ धर्म से तात्पर्य समाज के नैतिक नियमों से है। यदि धर्म के अनुरूप अर्थ और काम का सेवन किया जाए तो अंतिम लक्ष्य मोक्ष अर्थात् परम चेतना का साक्षात्कार हो जाएगा।

सनातन धर्म में व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास की दृष्टि से अलग अलग धार्मिक कृत्य बताए गए हैं। सबसे प्रारंभिक स्तर के व्यक्ति के लिए कर्मकाण्ड है, मूर्ति पूजा है जिसमें वह ईश्वर के प्रति एकाग्र होकर समर्पण सीखता है। ऊपरी स्तर वालों के लिए उपासना, ध्यान, ज्ञान आदि हैं। हर व्यक्ति का मूल स्वभाव होता है जो प्रकृति प्रदत्त है। वह अपने मूल स्वभाव के अनुरूप कार्य को ही सर्वाधिक कुशलता से कर सकता है। सनातन धर्म में व्यक्ति के मूल स्वभाव को पहचान कर उसे शिक्षा, राजकाज, वाणिज्य व्यवसाय या सेवा का कार्य सौंपने की व्यवस्था है। इसी प्रकार मनुष्य की वशत्ति समय समय पर बदलती रहती है। कभी सात्विक होती है, कभी राजसिक तो कभी तामसिक। अलग–अलग समय पर व्यक्ति में अलग–अलग तत्त्व प्रबल होते हैं परंतु सामान्यतः इनमें कोई एक प्रधान रहता है। तामसिक को राजसिक से होते हुए सात्विक वशत्ति तक ले जाने और फिर उसके भी पर जाने का रास्ता सनातन धर्म बताता है।

गहराई से विचार करने पर हम पाते हैं कि प्रकृति प्रदत्त पॉच ज्ञानेन्द्रियों, पॉच कर्मेन्द्रियों, पंच महाभूत, प्रकृति प्रदत्त स्वभाव, तीन गुण सत् रज और तम, मस्तिष्क के उत्पाद मन, बुद्धि और अहंकार और चेतना सभी मुनष्यों में एक सी है चाहे वह किसी भी रंग, जाति या नस्ल का क्यों न हो। जब से संसार बना है मनुष्य का जन्म हुआ है यह सब रहे हैं और जब तक सशष्टि रहेगी तब तक यह मनुष्य के साथ रहेंगे। यदि चेतना का साक्षात्कार करना होगा तो रास्ते अलग हो सकते हैं पर उनका मूल आधार तो यही होगा। सनातन धर्म इन्हीं के आधार पर आगे का रास्ता बताता है। यह सब सनातन हैं इसलिए यह धर्म भी सनातन है।

समय के साथ समाज का जीवन यापन का तरीका, रहन–सहन, विचार बदलते हैं उसी के अनुसार धार्मिक प्रक्रिया

भी बदलना चाहिए। नये विचार अपनाने के लिए सनातन धर्म पूरी तरह से खुला है। इसीलिए सनातन धर्म अपना स्वयं का अनुभव करने के लिए अनुयायियों को प्रेरित करता है। सनातन धर्म के महापुरुष अपनी बात तो कहते हैं परंतु अपना निर्णय किसी पर नहीं थोपते। इसलिए सनातन धर्म में न तो कोई अंतिम उपदेश है और न ही कोई अंतिम पुस्तक। यह तो चिरंतन परम्परा है, समय के साथ नए ऋषि आ

ंगे, अपना अनुभव करेंगे, उपदेश देंगे, शास्त्र लिखेंगे परंतु अंत में वही कहेंगे जो गीता का उपदेश देने के बाद कृष्ण ने अर्जुन से कहा था जैसी तेरी इच्छा हो वैसा कर (यथेच्छसु तथा कुरु) । अपने सत्य का अनुभव स्वयं करो। इसलिए जब कोई कहता है कि हिन्दू धर्म खतरे में है तो वह हिन्दू धर्मावलम्बियों की संख्या के रूप में, आर्थिक समश्द्धि के रूप में, भौतिक शक्ति के रूप में सही हो भी सकता है परंतु धर्म के रूप में हिन्दू धर्म अर्थात् सनातन धर्म न कभी खतरे में था न कभी रहेगा क्योंकि यह उन तत्वों व सिद्धांतों पर आधारित है जो सशष्टि के उदय के साथ स्वमेव पैदा हुए हैं और सदैव रहेंगे। समाज की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप प्रक्रियाओं को बदलने की परम्परा सनातन धर्म को नवीन बनाए रखती है। इसका न आदि है, न अंत है, यह चिर नवीन है इसीलिए तो सनातन है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार है।)

संयुक्त राष्ट्र को प्रासंगिक बने रहने की नसीहत

–प्रमोद भार्गव–

संयुक्त राष्ट्रसंघ महासभा की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर अमेरिका की धरती से स्वयं को चाय बेचने वाला बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'यह भारत के लोकतंत्र की ताकत है कि एक छोटा बच्चा जो कभी रेलवे स्टेशन की चाय–दुकान पर अपने पिता की मदद करता था, वह आज चौथी बार भारत के प्रधानमंत्री की हैसियत से इस वैश्विक महासभा को संबोधित कर रहा है।'

मोदी ने चाणक्य के शब्दों को दोहराते हुए संयुक्त राष्ट्र को चेतावनी दी कि, 'सही समय पर जब उचित कार्य नहीं किया जाता तो समय ही उस कार्य की सफलता को असफल कर देता है। गोया, हमें आने वाली पीढ़ियों को उत्तर देना है कि जब फैसले लेने का समय था और जिन पर विश्व को दिशा देने का दायित्व था, वे विकसित देश क्या कर रहे थे ? यदि संयुक्त राष्ट्र को खुद को प्रासंगिक बनाए रखना है तो उसे अपना प्रभाव दिखाना होगा। विश्वसनीयता को बढ़ाना होगा। यूएन पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। अफगानिस्तान पर संकट, दुनिया पर चल रहे छाया युद्ध (प्रॉक्सी वार) और कोरोना वायरस की उत्पत्ति ने इन सवालों को गहरा दिया है।'

मोदी ने उन देशों को नाम लिए बिना चेतावनी दी कि जो देश आतंकवाद को बतौर हथियार इस्तेमाल कर रहे हैं, वे यह बात भूल रहे हैं कि आतंकवाद उनके लिए भी खतरा है। साफ है, भारतीय प्रधानमंत्री ने यूएन को उसी के मंच से मुखर होकर जितनी कड़ी नसीहत दी है, उतनी बेबाकी से अन्य कोई राष्ट्र प्रमुख नहीं कर पाया है।

नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र की कार्य–संस्कृति पर प्रश्नचिह्न लगाकर नसीहत दी है कि यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में महत्वहीन होती चली जाएगी और फिर इसके सदस्य देशों को इसकी जरूरत ही नहीं रह जाएगी। भारत जैसे देश को संयुक्त राष्ट्र की स्थायी सदस्यता से बाहर रखते हुए इस संस्था ने जता दिया है कि वहां चंद अलोकतांत्रिक या तानाशाह की भूमिका में आ चुके देशों की ही तूती बोलती है।

हालांकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्य के रूप में भारत 1 जनवरी 2021 से दो साल के लिए चुन लिया गया है। भारत समेत कई देश इसमें सुधारों की मांग कर रहे हैं। परिषद् में स्थाई सदस्यता पाने के लिए भारत के दावे को अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस व रूस समेत कई देश अपना समर्थन दे चुके हैं। लेकिन चीन के वीटो पावर के चलते भारत परिषद् का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। चीन के अलावा वीटो की हैसियत अमेरिका, ब्रिटेन, फांस और रूस रखते हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र की उम्र 76 वर्ष हो चुकने के बावजूद इसके मानव कल्याण से जुड़े लक्ष्य अधूरे हैं। इसकी निष्पक्षता भी संदिग्ध है। इसीलिए वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापित करने और आतंकी संगठनों पर लगाम लगाने में नाकाम रहा है। अब तो आतंकवादी संगठन तालिबान ने पूरा एक देश अफगानिस्तान ही कब्जा लिया है। अतएव अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को समझने की जरूरत है कि तालिबान को काबू में लेकर उसे सही रास्ते पर लाने में कामयाबी तब मिलेगी, जब पाकिस्तान को नियंत्रित किया जाएगा। क्योंकि वह पाकिस्तान ही है, जिसकी बाहरी और भीतरी मदद से तालिबान अफगानिस्तान पर आधिपत्य कर पाया। यदि समय रहते पाकिस्तान की हरकतों पर लगाम लगाई गई होती तो अमेरिका और तालिबान के बीच दोहा की राजधानी कतर में हुई संधि की भी धज्जियां नहीं उड़ी होतीं। इसी तरह चीन की अनैतिक विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं पर भी अंकुश नहीं लग पा रहा है।

दूसरे विश्वयुद्ध के बाद शांतिप्रिय देशों के संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् का गठन हुआ था। इसका अहम मकसद भविष्य की पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका और आतंकवाद से सुरक्षित रखना था। इसके सदस्य देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन को स्थायी सदस्यता प्राप्त है। याद रहे चीन जवाहरलाल नेहरू की अनुकंपा से ही सुरक्षा परिषद् का सदस्य बना था। जबकि उस समय अमेरिका ने सुझाया था कि चीन को संयुक्त राष्ट्र में लिया जाए और भारत को सुरक्षा परिषद् की सदस्यता दी जाए। लेकिन अपने उद्देश्य में परिषद् को पूर्णतः सफलता नहीं मिली।

भारत का दो बार पाकिस्तान और एक बार चीन से युद्ध हो चुका है। इराक और अफगानिस्तान, अमेरिका और रूस के जबरन दखल के चलते युद्ध की ऐसी विभीषिका के शिकार हुए कि आजतक उबर नहीं पाए हैं। तालिबान की आमद के बाद अफगानिस्तान में किस बेरहमी से विरोधियों और स्त्रियों को दंडित किया जा रहा है, यह किसी से छिपा नहीं रह गया है। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच युद्ध एक नहीं टूटने वाली कड़ी बन गया है। अनेक इस्लामिक देश गश्ह–कलह से जूझ रहे हैं। उत्तर कोरिया और पाकिस्तान बेखौफ परमाणु युद्ध की धमकियां देते रहते हैं। दुनिया में फैल चुके इस्लामिक आतंकवाद पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। साम्राज्यवादी नीतियों के क्रियान्वयन में लगा चीन किसी वैश्विक पंचायत के आदेश को नहीं मानता। इसका उदाहरण अजहर जैसे आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित करने पर चीन का बार–बार वीटो का इस्तेमाल करना है।

जबकि भारत विश्व में शांति स्थापित करने के अभियानों में मुख्य भूमिका निर्वाह करता रहा है। बावजूद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी एवं सामुदायिक बहुलता वाला देश सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य नहीं है। भारत में दुनिया की 18 फीसदी आबादी रहती है। दुनिया का हर छठा व्यक्ति भारतीय है। साफ है, संयुक्त राष्ट्र की कार्य–संस्कृति निष्पक्ष नहीं है। कोरोना महामारी के दौर में विश्व स्वास्थ्य संगठन की मनवतावादी केंद्रीय भूमिका दिखनी चाहिए थी, लेकिन वह महामारी फैलाने वाले दोषी देश चीन के समर्थन में खड़ा नजर आया।

अलबत्ता सुरक्षा परिषद् की भूमिका वैश्विक संगठन होने की दृष्टि से इसलिए महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि उसके अजेंडे में प्रतिबंध लागू करने और संघर्ष की स्थिति में सैनिक कार्रवाई की अनुमति देने के अधिकार शामिल हैं। इस नाते उसकी मूल कार्यपद्धति में शक्ति–संतुलन बनाए रखने की भावना अंतर्निहित है। लेकिन वह इन प्रतिबद्धताओं को नजरअंदाज कर रहा है, गोया संस्था के प्रति विश्वास का संकट गहराया हुआ है। नतीजतन इसमें सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है।

1945 में परिषद् के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक दुनिया बड़े परिवर्तनों की वाहक बन चुकी है। इसीलिए भारत लंबे समय से परिषद् के पुनर्गठन का प्रश्न परिषद् की बैठकों में उठाता रहा है। कालांतर में इसका प्रभाव यह पड़ा कि संयुक्त राष्ट्र के अन्य सदस्य देश भी इस प्रश्न की कड़ी के साझेदार बनते चले गए। परिषद् के स्थायी व वीटोधारी देशों में अमेरिका, रूस और ब्रिटेन भी अपना मौखिक समर्थन इस प्रश्न के पक्ष में देते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से दो तिहाई से भी अधिक देशों ने सुधार और विस्तार के लिखित प्रस्ताव को मंजूरी 2015 में दे दी है। इस मंजूरी के चलते अब यह प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे का अहम मुद्दा बन गया है। नतीजतन अब यह मसला एक तो परिषद् में सुधार की मांग करने वाले भारत जैसे चंद देशों का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि महासभा के सदस्य देशों की सामूहिक कार्यसूची का प्रश्न बन गया है। अमेरिका ने शायद इसी पुनर्गठन के मुद्दे का ध्यान रखते हुए सुरक्षा परिषद् में नई पहल करने के संकेत दिए हैं। यदि पुनर्गठन होता है तो सुरक्षा परिषद् के प्रतिनिधित्व को समतामूलक बनाए जाने की उम्मीद बढ़ जाएगी। इस मकसद पूर्ति के लिए परिषद् के सदस्य देशों में से नए स्थायी सदस्य देशों की संख्या बढ़ानी होगी। यह संख्या बढ़ती है तो परिषद् की असमानता दूर होने के साथ इसकी कार्य–संस्कृति में लोकतांत्रिक संभावनाएं स्वतः बढ़ जाएंगी।

परिषद् की महासभा में इन प्रस्तावों का शामिल होना, बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि तो थी, लेकिन परिणाम भारत और इसमें बदलाव की अपेक्षा रखने वाले देशों के पक्ष में आएगें ही, इसमें संदेह है। असमानता दूर करने के लिए उचित प्रतिनिधित्व हेतु सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने से जुड़े मामलों पर लंबी चर्चा होगी। इस सभा में बहुमत से पारित होने वाली सहमतियों के आधार पर 'अंतिम अभिलेख' की रूपरेखा तैयार होगी। किंतु यह जरूरी नहीं कि यह अभिलेख किसी देश की इच्छाओं के अनुरूप ही हो ? क्योंकि इसमें बहुमत से लाए गए प्रस्तावों को खारिज करने का अधिकार पी–5 देशों को है। ये देश किसी प्रस्ताव को खारिज कर देते हैं तो यथास्थिति और टकराव बरकरार रहेंगे। साथ ही यदि किसी नए देश को सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता मिल भी जाती है तो यह प्रश्न भी कायम रहेगा कि उन्हें वीटो की शक्ति दी जाती है अथवा नहीं ? हालांकि भारत कई दृष्टियों से न केवल सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता की हैसियत रखता है,बल्कि वीटो–शक्ति हासिल कर लेने की पात्रता भी उसमें है। क्योंकि वह दुनिया का सबसे बड़ा धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है। संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यूनिसेफ और शांति सेना जैसे संगठन काम करते हैं। लेकिन चंद देशों की ताकत के आगे ये संगठन नतमस्तक होते दिखाई देते है। इसीलिए शांति सेना की विश्व में बढ़ते सैनिक संघर्षों के बीच कोई निर्णायक भूमिका दिखाई नहीं दे रही है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय जरूर युद्ध में अत्याचारों से जुड़े कई दशकों पुराने अंतरराष्ट्रीय विवादों में न्याय देता दिख रहा है। परंतु संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक संगठन जी–20, जी–8, आसियान और ओपेक जैसे संगठन विभाजित दुनिया के क्रम में लाचारी का अनुभव कर रहे हैं।

काबुल पर तालिबानी कब्जे के बाद अफगान में शरणार्थियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। इस समय पूरी दुनिया में 8.24 करोड़ लोग विस्थापितों के रूप में शरणार्थी शिविरों में बदतर जिंदगी जी रहे हैं। अमेरिका व अन्य यूरोपीय देशों द्वारा इन्हें दी जाने वाली आर्थिक मदद में कटौती कर दिए जाने के कारण भी इनका भविष्य संकट में है। इन सब खतरों के चलते इस वैश्विक मंच की विश्वसनीयता संकट में है, लिहाजा इसमें पर्याप्त सुधारों की तत्काल जरूरत है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कोरोना से उबरने के महीनों बाद भी दिल की धड़कन हो तेज तो हो जाएँ सचेत

अवध की आवाज

लखनऊ । कोविड ने अपने पीछे हमारे शरीर के कई अंगों पर अपनी छाप छोड़ गया है, उसी में शामिल है हमारा नाजुक सा दिल (हृदय) भी । कोरोना से उबरने के महीनों बाद भी लोगों की शिकायत है कि उनको जैसे लगता है कि उनकी ध ड़कन तेज चल रही है या कभी–कभी बहुत दबाव महसूस होता है या चक्कर आता है । इन्हीं परिस्थितियों को भांपते हुए इस बार विश्व हृदय दिवस (29 सितम्बर) पर सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर विशेष आयोजन के निर्देश दिए गए हैं, जिसके माध्यम से समुदाय को हृदय सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी दी जायेगी और स्क्रीनिंग की भी व्यवस्था होगी । स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और योग व प्राणायाम को भी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा । इस बार विश्व हृदय दिवस की थीम– 'यूज हार्ट टू कनेक्ट' तय की गयी है । मेयो हास्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्येन्द्र तिवारी का कहना है कि आमतौर पर यह देखने में आ रहा है कि कोरोना से उबरने के महीनों बाद भी कुछ लोगों में धड़कन तेज चलना, चक्कर आना या सांस की तकलीफ की शिकायत बनी हुई है जो किसी भी दिल की परेशानी से जुड़ी हो सकती है । ऐसे में कोई भी जोखिम उठाये बगैर कोविड से रिकवरी के बाद जरूर कार्डियक स्क्रीनिंग करानी चाहिए । कुछ स्वस्थ व युवा मरीजों में कोरोना के बाद हृदय में सूजन भी देखी जा रही है । कुछ मरीजों में इस सूजन की वजह से दिल की धड़कन की रफ्तार का अनियमित होना, हृदय का फेल होना और उसकी वजह से कमजोरी, थकावट,चक्कर आना व सांस फूलना देखा जा रहा है । डॉ. तिवारी का कहना है कि कोरोनरी धमनियों की आंतरिक दीवारों पर कोलेस्ट्राल या वसा के जमाव से रक्त के प्रवाह में दिक्कत आती है । इसके चलते हृदय को कम मात्रा में रक्त की आपूर्ति हो पाती है । इसके चलते हृदय को सही ढंग से कार्य करने के लिए जरूरी पोषक तत्वों और ऑक्सीजन की कमी से जूझना पड़ता है। इसके चलते सीने में दर्द की शिकायत होने लगती है, जिसे एंजाइना भी कहते हैं। यदि हृदय की मांशपेशी को रक्त आपूर्ति करने वाला हिस्सा पूरी तरह से कार्य करना बंद कर देता है तो दिल का दौरा पड़ सकता है।

होम्योपैथी में भी है इलाज

होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. विनीता द्विवेदी का कहना है

कि पहले जिन बीमारियों को उम्र के दूसरे पड़ाव यानि 50 साल की उम्र के बाद की बीमारी माना जाता था, वह आज 30 साल की उम्र में ही लोगों को घेरने लगी हैं । बदलती लाइफ स्टाइल, जंक फूड का सेवन और शारीरिक श्रम से मुंह मोड़ना इसके प्रमुख कारण के रूप में उभरकर सामने आ रहे हैं । डॉ. विनीता का कहना है कि होम्योपैथी में गंभीर हार्ट अटैक को छोड़कर उच्च रक्तचाप को कम करने एवं अन्य हृदय रोगों के प्रबंधन व रोकथाम करने में बड़ी भूमिका है । होम्योपैथिक औषधियां हृदय तंत्र पर कार्य करती हैं । अनियमित नाडी, सांस फूलना, उच्च रक्तचाप एवं अन्य हृदय रोगों को पूरी तरह से ठीक करने में कारगर है। क्या आप जानते हैं रू दिल एक मिनट में 72 बार और 24 घंटे में 100800 बार धड़कता है। इसके अलावा एक दिन में हजारों गैलन खून की पंपिंग करता है । इसीलिए इसे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। हृदय रोग के मुख्य कारण रू धूम्रपान, मदिरापान, अजीर्ण, अत्यधिक वसा व चिकनाई युक्त भोजन, उच्च रक्तचाप, शरीर में ज्यादा चर्बी, अधिक कोलेस्ट्राल, अत्यधिक चिंता और मध ुमेह हृदय रोग के मुख्य कारण हैं। हृदय रोग के मुख्य लक्षण रू छाती में बाईं ओर या छाती के बीच में दर्द या दबाव महसूस होना, सांस तेज चलना, पसीना आना, छाती में दर्द के साथ पेट में जलन, पेट भारी लगना, उल्टी होना और शारीरिक कमजोरी महसूस होना, घबराहट और बेचैनी महसूस करना हृदय रोग के प्रमुख लक्षण हैं। मधुमेह रोगियों को दर्द या बिना दर्द के भी हृदय रोग का आघात हो सकता है। कैसे करें बचाव रू शरीर में ज्यादा चर्बी, अधिक कोलेस्ट्राल, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, चिंता व तनाव से बचें। धूम्रपान, मदिरापान, वसा एवं चिकनाई युक्त भोजन से परहेज करें। नियमित व्यायाम, 45 मिनट तक टहलना, नियमित दिनचर्या का पालन, संतुलित भोजन, प्रतिदिन छह से सात घंटे तक की निद्रा और आराम जरूर करें।

पांच शातिर लुटेरे लूट के माल के सहित गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान

के क्रम में थाना दही पुलिस व सर्विलांस टीम के द्वारा पांच शातिर लुटेरे दो अदद चौन सोने की एक चौन का कुछ भाग कम व एक पूरी जिंदा 12 बोर एक अदद लैपटॉप Hp सिल्वर रंग का दो अदद मोटरसाइकिल बरामद कर गिरफ्तार 5 अदद मोबाइल फोन लूट के दो अदद मोबाइल जामा तलाशी में दो अदद तमंचा 12 बोर चार कारतूस जाने पर उन्होंने बताया अभियुक्तों पर अपराधिक इतिहास कई थानों में मुकदमा पंजीकृत है। किया गया। उन्नाव जनपद के सभी पत्रकार बंधु व अवध की आवाज की टीम उन्नाव के द्वारा उन्नाव पुलिस अधीक्षक से पूछे

जलवायु- सहिष्णु कृषि तकनीकों एवं पद्धतियों का व्यापक अभियान कार्यक्रम आयोजित

अवध की आवाज

सिधौली ।सीतापुर। दिनोंदिन हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों की फसलों एवं पशुओं में होने वाली हानि को रोकने के लिए जलवायु– सहिष्णु कृषि तकनीकों एवं पद्धतियों के बारे में किसानों को जागरूक करने के उददेश्य से कृषि विज्ञान केंद्र अम्बरपुर, सीतापुर पर जलवायु– सहिष्णु कृषि तकनीकों एवं पद्धतियों का व्यापक अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी का संवाद और उनके द्वारा विशेष गुणों वाली विभिन्न फसलों की 35 जलवायु – सहिष्णु प्रजातियों का विमोचन, आइ ंसीए आर – राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ का उद्घाटन तथा 4 विश्वविद्यालयों को स्वच्छ हरित परिसर पुरस्कार वितरण समारोह का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। उपरोक्त समारोह को माननीय कृषि मंत्री, भारत

सरकार, नरेन्द्र सिंह तोमर, छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर केन्द्र पर किसान – वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी आयोजन किया गया जिसमें केन्द्र के वरिष्ठ एवं अध्यक्ष डॉ0 सुरेश सिंह ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए विभिन्न फसलों की बायो फोटी फाइड प्रजातियों पर चर्चा की तथा प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि लोगों को बायो फोर्टी फाइड प्रजातियों को अपने भोजन में शामिल करने के लिए इनको अपने उत्पादन श्रृंखला में अवश्य शामिल करना चाहिए जिससे पोषक तत्वों की पूर्ति होगी एवं नाना प्रकार की बीमारियों से मुक्ति प्रदान होगी। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 विनोद कुमार सिंह ने किसानों को जलवायु – सहिष्णु तकनीकोंध्पद्धतियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की तथा लोगों को सुझाव दिया कि किसान भाइयों को जलवायु – सहिष्णु तकनीकों/पद्धतियों को अपनाना चाहिए जिससे कुपोषण, एनीमिया एवं पोषण तत्वों की कमी से होने वाली बीमारियों का सामना न करना पड़े और परिवार की सेहत ठीक रहेगी व विमारी के खर्च की बचत होगी। इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक अमरनाथ सिंह, डॉ0 उमेश कुमार सिंह, ऋचा सिंह व अजय त्रिपाठी ने भी अपने वक्तव्य दिये एवं किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को नीबू का पौध भी वितरित किया गया।

कांग्रेस नेताओं के ऊपर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाने की मांग उठाई कांग्रेसियों ने

अवध की आवाज

उरई (जालौन)। उ. प्र. कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता एवं स्थानीय विधायक एवं उनके ऊपर दर्ज मुकदमे वापस

लिए जाने की मांग को लेकर आज मंगलवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव नारायण मिश्रा एवं शहर अध्यक्ष रेहान सिददीकी एवं पूर्व विधायक विनोद चतुर्वेदी के नेतृत्व में पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी शयाम सुन्दर, अरविंद दुवे, सीता राम वर्मा, अयूब अंसारी पूर्व जिला उपाध्यक्ष, हाजी ख्वाजा बख्श मंसूरी, अशोक द्विवेदी, शैलेन्द्र ब्यास, माइकल, शमीम, माजिद, वीरेन्द्र दुवे, संत राम श्रीवास, मजहर खान, अरविंद सेंगर, सुरेंद्र सिंह सरसेला, संजीव तिवारी सीटू, प्रवेश कुमार सिंह अहिर वार आदि ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को भेंट करते हुए बताया कि जनपद प्रतापगढ़ के सांगीपुर में 25 सितंबर को गरीब कल्याण मेले में शामिल होने गयी उ. प्र. कांग्रेस विधान मंडल की नेता एवं स्थानीय विधायक श्रीमती आराध ना मिश्रा एवं पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी एवं उनके समर्थकों के ऊपर प्रशासन और सरकार द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सत्तारूढ़ दल द्वारा अपनी केन्द्र व प्रदेश सरकारों के कारनामों को छुपाने के लिए विपक्षी दलों विशेषतौर पर कांग्रेस नेताओं के ऊपर इस प्रकार के झूठे, बेबुनियाद एवं घृणित कृत्यों को अंजाम देने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने घटना की जांच कर मुकदमे वापस लिए जाने की मांग उठाई है।

युवक ने पेड़ पर फांसी लगाकर की आत्महत्या

फिरोजाबाद (वेब वार्ता)। थाना मटसेना क्षेत्र अन्तर्गत एक युवक ने पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस षव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है। थाना मटसेना क्षेत्र के गांव दतावली निवासी शिवराज (35) पुत्र उदयवीर सिंह ने नीम के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो वह सन्न रह गये। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और षव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है।

निरीक्षण में मिली खामियों पर शिक्षकों के विरूद्ध कार्यवाही का विरोध

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने एडी बेसिक को व्यवस्थायें ठीक करने हेतु लिखा पत्र

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। सिधौली में एडी बेसिक के निरीक्षण में मिली खामियों पर शिचकों के विरूद्ध प्रस्तावित कार्यवाही पर उत्तर पद्रेषीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने आपत्ति दर्ज दकराते हुए एडी बेसिक को पत्र लिया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध यक्ष सुरेन्द्र गुप्ता, वरिश्ठ उपाध्यक्ष राकेष त्रिवेदी और जिलामन्त्री खुष्तर रहमान खाँ द्वारा एडी बेसिक को सम्बोधित पत्र जारी कर कहा गया है कि उन्हें विभिन्न समाचार पत्रों द्वारा ज्ञात हुआ कि आप द्वारा गत दिवस विकास क्षेत्र सिधौली में अनेकों विद्यालयों का आँचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान आपके निरीक्षण में कतिपय खामियाँ उजागर हुई हैं जिन पर आप द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए शिक्षकों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश पारित किये गए हैं।

शिक्षक नेताओं ने कहा कि विद्यालय में निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित नहीं हुई हैं। जिसके लिये शिक्षकों को जिम्मेदार ठहराया गया। जबकि पुस्तकें विद्यालय तक पहुँचाने का कार्य विभागीय स्तर पर सम्बन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्तर से किया जाना है। यदि किसी विद्यालय में पुस्तकें नहीं पहुँची हैं, तो इस हेतु शिक्षक का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाना औचित्यहीन है।

निरीक्षण में एमडीएम गुणवत्तापूर्ण नहीं मिला। सूच्य है कि एमडीएम बनवाने हेतु सामग्री की उपलब्धता ग्राम प्रधान के स्तर से होती है। यदि किसी विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण एमडीएम में कमी है तो इस हेतु शिक्षक नहीं बल्कि सम्बन्धित ग्राम प्रधान दोषी है। अतः ग्राम प्रधान के बजाय शिक्षक के खिलाफ कार्यवाही न्यायोचित नहीं है। संगठन के पत्र में कहा गया है कि आपके निरीक्षण में यह तथ्य उजागर हुआ है कि शिक्षकों द्वारा मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से अवकाश नहीं लिया गया है। इस सम्बन्ध में सादर सूच्य है कि गत एक माह से लगातार मानव सम्पदा पोर्टल पर तकनीकी समस्यायें विद्यमान हैं। जिनके सम्बन्ध में विभिन्न माध्यमों से लगातार विभाग को अवगत कराया जा रहा है। लेकिन विभागीय स्तर पर सम्पूर्ण निदान सम्भव नहीं हो पा रहा है, आनलाइन अवकाश पोर्टल पर दर्ज करने में दुरूह कठिनाईयाँ विद्यमान हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षकों द्वारा लिये जा रहे ऑफलाइन अवकाश की जानकारी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को उचित माध्यम से दी जाती है। यदि मानव सम्पदा पोर्टल पर तकनीकी समस्या विद्यामान है तो ऑफलाइन अवकाश लेना शिक्षक की मजबूरी है। ऐसी स्थिति में शिक्षकों को दोषी बताया जाना उचित नहीं है। गत माह लिये गए ऑफलाइन अवकाश को मान्यता प्रदान कर अवकाश विवरण बीआरसी पर जमा कर इनका निस्तारण विभाग द्वारा किया गया है। अतः शिक्षकों द्वारा मानव सम्पदा पोर्टल पर अवकाश दर्ज न कर पाने हेतु उनका दोष नहीं है। उन्होने एडी बेसिक से मांग की है कि उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षकों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु दिए गए निर्देशों पर तत्काल कार्यवाही रोका जाय और वास्तविक समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेश पारित करने का कष्ट करें। ताकि शिक्षकों का अकारण उत्पीड़न न हो और वे पूर्ण विश्वास, लगन और निष्ठा के साथ छात्र–छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में समर्थ हो सकें।

हाइवे में हुए जानलेवा गड्ढे राहगीरों के साथ कभी भी हो सकती है दुर्घटना

कदौरा/जालौन कदौरा जोल्हूपुर हाइवे में जगह जगह गहरे गड्ढों किसी खतरे से कम नही है यदि पानी भर जाए तो राहगीर गड्ढों की गहराई से बेखबर होकर दुर्घटना का शिकार हो सकते है अब उक्त गड्ढे ओवरलोड का नतीजा है य निर्माण में कोई कमी रह गयी कुछ कहा नही जा सकता।

ज्ञातव्य हो कि 25 वर्षो तक जर्जर रहा कदौरा जोल्हूपुर मार्ग में राहुल गांधी की यात्रा के बाद डिस्कवरी चौनल में उक्त बदहाल सड़क का इश्तहार होने पर सपा सरकार में उक्त जर्जर सड़क का हाइवे के रूप में निर्माण किया गया एव कुछ ही वर्षो के बाद अब उसी हाइवे में कदौरा से लेकर जोल्हूपुर तक दोनों साइड जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे हो चुके है जिससे कभी भी राहगीर दुर्घटना का शिकार हो सकते है क्षेत्रीय व अन्य राहगीरों में रवि पाल पवन द्विवेदी

रंजीत सिंह अमन सिंह भूरा के द्वारा कहा गया कि उक्त गड्ढों में पर यदि पानी भर जाए तो आवागमन करने वाले गहराई का अंदाजा नही लगा सकते एव तेज रफ्तार में बाइक य बड़ा वाहन यदि गड्ढे में पड़ जाए तो दुर्घटना निश्चित है एव कहा कि उक्त हाइवे पर लगातार ओवरलोड वाहनों के अलावा निर्माण में ऐसी क्या कमी रही कि कुछ ही वर्षों में सड़क इस तरह से उखड़ने लगी फिलहाल काफी समय से उक्त गड्ढों की विभाग द्वारा देर सवेर खबर लेकर उनका मरम्मतीकरण करा दिया जाता है फिर भी सड़क में नए गड्ढे हो रहे है साथ ही व्यंग करते हुए कहा कि गड्ढे इतने गहरे है कि इनमें मछली पालन भी हो सकता है तो दुर्घटना होना लाजमी है।फिलहाल सम्बन्धित विभाग से राहगीरों द्वारा मांग की गयी कि उक्त गड्ढों पर गौरतलब किया जाए जिससे दुर्घटनाओं को बचाया जा सके।

उन्नाव। दिनांक 28/09/2021 गहरा कार्यालय में क्राइम संवाददाता हिमांशु शुक्ला की अध्यक्षता में पत्रकार एकता महा संघगठन की मीटिंग संपन्न हुई।

भूमि संरक्षण विभाग की जांच शुरू, शिकायतों के बाद फिर से चलने लगी जेसीबी

अवध की आवाज

माधौगढ़। लाखों रुपए के घोटाले में संलिप्त भूमि संरक्षण विभाग की लगातार शिकायतें और खबरें छपने के बाद जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए विभाग द्वारा कराए गए विकास कार्यों की फाइलें तलब कर ली है। वहीं जांच में कार्रवाई की लटकी तलवार से बचने के लिए संबंधित इंस्पेक्टर अपने आप को बचाने की जुगत में जुट गए हैं। जबकि किसान नए सिरे से तालाबों की खुदाई कराने लगे हैं लेकिन गोलमाल अभी भी बाकी है। भूमि संरक्षण विभाग द्वारा खेत तालाब योजना के अंतर्गत किसानों के खेतों में जल संरक्षण के लिए तालाबों की खुदाई कराता है। जिसमें सरकार द्वारा 50 परसेंट की सब्सिडी किसानों को दी जाती है लेकिन विभागीय इंस्पेक्टर, ठेकेदार और किसानों का गठजोड़ खेत तालाब योजना के पैसों में अपना भला कर लेता है। ज्यादातर खेत तालाब योजना के अंतर्गत बीहड़ के क्षेत्रों में तालाब खुदवाये जाते हैं। जहां न तो उच्च अधिकारी की नजर पड़ती है और ना ही अन्य कोई आवाज उठाता है। जिसका फायदा विभागीय अधिकारी, ठेकेदार और किसान आपस की मिलीभगत से बंदरबांट कर लेते हैं। यही कारण रहा कि माध ावगढ़, नदीगांव और रामपुरा ब्लॉक के ज्यादातर गांव में तालाब मानक के अनुसार नहीं खुदवाये गए बल्कि किसी का खेत,किसी का गाटा न0 दिखाकर पैसा हजम कर लेते

हैं। पुराने तालाबों को नया दिखाकर भी पैसा निकाला जाता है। शिकायतों ने जोर पकड़ा तो तालाबों में जेसीबी से नए सिरे से जांच में बचने के लिए औपचारिकता की जाने लगी और अगल–बगल से मिट्टी उठायी जाने लगी। पर जांच का विषय तो यह है कि जब मानक पूरे किए नहीं तो संबंधित इंस्पेक्टर ने भुगतान क्यों कराया? वहीं भूमि संरक्षण अधिकारी शहाबुद्दीन सिद्दीकी ने कहा है कि जांच में दोषी इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी और किसान ने गलत भुगतान लिया तो रिकवरी कराई जाएगी।

गंगाघाट कोतवाली जाजमऊ चौकी क्षेत्र में चौकी इंचार्ज संजीव सांग की विदाई समारोह में उमड़ा जनसैलाब वहीं पर मौजूद पत्रकार बंधुओं का भी हुआ सम्मान ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा के साथ संतोष कुमार मनोज गुप्ता के साथ

मौनी रॉय के बर्थडे पर मंदिरा बेदी ने लिखी कविता, तस्वीरें बता रहीं दो दिल एक जान हैं दोनों

मुंबई, (वेब वार्ता)। 28 सितम्बर को लता मंगेशकर और रणबीर कपूर के साथ मौनी रॉय का भी बर्थडे है। टेलिविजन और फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत ऐक्ट्रेस मौनी रॉय के लिए उनकी बेस्ट फ्रेंड मंदिरा बेदी ने ढेर सारी तस्वीरों के साथ बहुत प्यारी कविता लिखी है। मौनी रॉय के बर्थडे पर मंदिरा ने 10 तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में साथ बिताए उनके ढेरों खूबसूरत पल कैद नज आ रहे हैं। पोस्ट के अंत में मौनी के लिए प्यार, सौभाग्य, सफलता और खूबसूरत लाइफ की कामना करते हुए उन्हें बर्थडे विश किया है। मंदिरा ने आखिर में लिखा है 'हैपी बर्थडे मौन, तुम्हें जानना यानी तुमसे प्यार करना है।' बता दें कि मौनी आज अपना 36वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। मंदिरा के इस पोस्ट पर मौनी रॉय ने हैरानी भी जताई है। उन्होंने अपना रिऐक्शन देते हुए लिखा है— ओह माय गॉड ड, तुमने मेरे लिए कविता लिखी, बहुत बहुत अच्छी है, तुम्हें

आज मिस कर रही हूं। मौनी और मंदिरा की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। हाल ही में मंदिरा बेदी ने अपने हसबैंड को खोया (30 जून) है और उनके इस दुखद वक्त में मौनी लगातार उनके साथ खड़ी रही हैं। दोनों एक—दूसरे के काफी करीब हैं और अक्सर घूमन—फिरना साथ ही किया करती हैं। साल 2020 में कोरोना लॉकडाउन के बाद दोनों मालदीव भी पहुंची थीं और कई खूबसूरत पलों की तस्वीरें और वीडियो उन्होंने फैन्स से शेयर भी किए थे।

सामने आई करीना के घर के अंदर हुई पार्टी की ढेरों तस्वीरें, खाने में था 'दाल गोश्त और कड़क पाव'

मुंबई, (वेब वार्ता)। करीना कपूर ने वीक की शुरुआत अपने घर एक शानदार पार्टी से की है। इस पार्टी में उनकी बहन करिश्मा कपूर, दोस्त अमृता अरोड़ा के अलावा मनीषा मल्होत्रा और करण जौहर भी पहुंचे। अब इस पार्टी की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हैं। मनीष मल्होत्रा ने इस पार्टी की कुछ शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं, जिसमें उनके फ्रेंड संजय मिश्रा भी नजर आ रहे हैं। करिश्मा कपूर और करीना ने भी इंस्टाग्राम पर पार्टी की कुछ तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों से साफ है कि होस्ट ने अपने दोस्तों के लिए काफी स्पेशल इंतजाम कर रखा था। करिश्मा कपूर ने पार्टी में रखी गई स्पेशल डिश (दाल गोश्त और कड़क पाव) की भी तस्वीर शेयर की है। अमृता ने करीना कपूर के सोफा पर पोज देते हुए तस्वीर शेयर की है। उन्होंने बताया है कि यह फोटो मनीष ने खींची है। बता दें कि हाल ही में मनीष मल्होत्रा ने भी अपने घर पर पार्टी रखी थी, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री से उनके कई फ्रेंड्स शामिल हुए। हालांकि इस पार्टी में करीना नजर नहीं आई थीं, उसी दिन वह मालदीव से लौटी थीं। बता दें कि करीना बहुत जल्द आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आनेवाली हैं। यह फिल्म हॉलिवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' की हिन्दी रीमेक है, जिसे अद्वैत चंदन ने डायरेक्ट किया है।

पठान के गाने की शूटिंग के लिए मल्लोंका जाएंगे शाहरुख, दीपिका

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड सितारे शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अपनी आने वाली फिल्म पठान के एक गाने की शूटिंग के लिए मल्लोंका जाएंगे। एक सूत्र ने कहा, इसका उद्देश्य पठान को यूनिक बनाना है, जिसे पहले किसी ने नहीं देखा है और सिद्धार्थ आनंद (निर्देशक) और

यशराज इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पठान की टीम स्पेन के लिए रवाना होगी जहां वे मल्लोंका, कैडिज और वेजेर डी ला फ्रोंटेरा जैसे भव्य गंतव्य में शूटिंग करेंगे। सूत्र ने बताया कि टीम 10 से 31 अक्टूबर तक स्पेन में रहेगी। सूत्र ने कहा कि किसी अन्य बॉलीवुड फिल्म ने इन जगहों पर कभी शूटिंग नहीं की है, इसलिए दर्शक, जो इन महंगी और उत्तम जगहों पर नहीं गए हैं, उन्हें पहली बार देखेंगे। इस गाने में शाहरुख और दीपिका को पहले कभी न देखे गए अंदाज में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब आपके पास देश के दो सबसे बड़े सुपरस्टार हों, तो आपको पहले की तरह एक श्य असाधारण बनाना होगा और निमार्ता पठान में उनकी जोड़ी के साथ न्याय करना चाहते हैं। ये एक सनसनीखेज शूट होने वाला है। पठान में जॉन अब्राहम भी हैं। फिल्म के बारे में अन्य विवरण अभी भी गुप्त हैं।

बॉक्स ऑफिस पर टकरायेगी अक्षय और प्रभास की फिल्म

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार और दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास की फिल्म अगले साल 11 अगस्त को बॉक्स ऑफिस पर टकरायेगी। प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आदिपुरुष' की

रिलीज डेट फाइनल हो गई है। प्रभास, सैफ अली खान, कृति सैनन, सनी सिंह जैसे स्टार्स से सजी यह फिल्म अगले साल स्वतंत्रता दिवस वाले वीकेंड में 11 अगस्त के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अक्षय कुमार की फिल्म रक्षाबंधन भी अगले साल 11 अगस्त के दिन ही रिलीज होगी। गौरतलब है कि फिल्म 'आदिपुरुष' को 'तान्हाजी' फेम निर्देशक ओम राउत निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम समेत पांच भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म में जहां प्रभास राम का रोल करेंगे तो वहीं लंकापति रावण के किरदार में सैफ अली खान नजर आने वाले हैं। वहीं आनंद एल राय निर्देशित भाई—बहन के रिश्ते को समर्पित फिल्म रक्षा बंधन में अक्षय के साथ भूमि पेडनेकर लीड रोल में हैं।

डोजा कैट ने विनाशकारी भूख संकट से लड़ने में समर्थन करने का आह्वान किया

लॉस एंजिल्स, (वेब वार्ता)। रैप स्टार डोजा कैट ने दुनिया के नेताओं से अफ्रीका के विनाशकारी भूख संकट से लड़ने का आह्वान किया है। 25 वर्षीय रैप स्टार ने

ग्लोबल सिटीजन लाइव इवेंट में मंच पर इस बात पर चर्चा की। उन्होंने ट्विटर पर बताया कि यह कारण उनके दिल के इतने करीब क्यों है। उन्होंने माइक्रो—ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर लिखा, मेरे कुछ प्रशंसकों को यह नहीं पता होगा कि मैं आधा दक्षिण अफ्रीकी हूं, खासकर डरबन, दक्षिण अफ्रीका से, और अफ्रीका महाद्वीप एक विनाशकारी भूख संकट का सामना कर रहा है। यह जानकर मेरा दिल दहल गया है कि कोविड19 महामारी ने 41 मिलियन लोगों को भुखमरी के कगार पर छोड़ दिया है। मेरे साथ जुड़ें और अपने नेताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए कहें कि दुनिया भर के सभी लोगों के साथ मिलकर वहां तक भोजन पहुंचाने में हमारी मदद करें। फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के अनुसार बॉस बी——एच हिटमेकर ने स्वीकार किया है कि प्रसिद्धि पाने के बाद से वह सोशल मीडिया पर अधिक संयमित हो गई हैं। रैप स्टार को 2018 में अपना पहला एल्बम अमाला रिलीज करने से पहले सोशल मीडिया का उपयोग करना पसंद था, लेकिन उनका कहना है कि वह हाल के वर्षों में अपने पोस्ट को लेकर अधिक सतर्क हो गई हैं।

लोकसभा की तीन, विधानसभा की 30 सीटों पर 30 अक्टूबर को होंगे उपचुनाव : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि तीन लोकसभा सीटों और विभिन्न राज्यों में 30 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव 30 अक्टूबर को होंगे। मतों की गिनती दो नवंबर को होगी। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा, ''आयोग ने महामारी, बाढ़, त्योहारों, कुछ क्षेत्रों में ठंड की स्थिति, संबंधित राज्यों—केंद्र शासित प्रदेशों से मिली प्रतिक्रिया की समीक्षा की है और सभी तथ्यों एवं परिस्थितियों पर गौर करते हुए तीन संसदीय क्षेत्रों में उपचुनाव कराने का निर्णय लिया है। केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश की तीन लोकसभा सीटों और विभिन्न राज्यों के 30 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव कराने का निर्णय लिया गया है।'

आरबीआई ने डब्ल्यूएमए की सीमा 50 हजार करोड़ रुपये तय की

मुंबई, (वेब वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को कहा कि वित्तवर्ष 22 की दूसरी छमाही के दौरान केंद्र सरकार के लिए 50,000 करोड़ रुपये वेज एंड मीन्स एडवांस (डब्ल्यूएमए) सीमा के रूप में निर्धारित किए गए हैं। वित्तीय भाषा में, डब्ल्यूएमए आरबीआई द्वारा अपनी क्रेडिट नीति के तहत उपयोग किया जाने वाला एक तंत्र है, जो राज्यों के साथ बैंकिंग को अग्रिम प्रदान करने के लिए, उनकी प्राप्तियों और भुगतानों के नकदी प्रवाह में अस्थायी बेमेल से निपटने के लिए है। यह प्रत्येक मामले में अग्रिम भुगतान की तारीख से तीन महीने के भीतर चुकाने योग्य है। भारत सरकार के परामर्श से यह निर्णय लिया गया है कि वित्तीय वर्ष 2021—22 (अक्टूबर 2021 से मार्च 2022) की दूसरी छमाही के लिए वेज एंड मीन्स एडवांस (डब्ल्यूएमए) की सीमा 50,000 करोड़ रुपये तय की जाए। जब भारत सरकार डब्ल्यूएमए सीमा के 75 प्रतिशत का उपयोग करती है, तो रिजर्व बैंक बाजार ऋणों के नए प्रवाह को गति प्रदान कर सकता है। बयान के अनुसार, रिजर्व बैंक मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र के परामर्श से किसी भी समय सीमा को संशोधित करने के लिए लचीलापन बरकरार रखता है।

01 अप्रैल 2022 को रिलीज होगी आर माधवन की रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता आर.माधवन की फिल्म रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट 01 अप्रैल 2022 को रिलीज होगी। रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट में आर. माधवन नंबी नारायणन के किरदार में दिखाई देंगे। यह माधवन के निर्देशन में पहली फिल्म होगी। अभिनेता से निर्देशक बने माधवन ने फिल्म का निर्माण और लेखन भी किया है। फिल्म को हिंदी, तमिल , अंग्रेजी सहित और कई भाषाओं में एक साथ शूट किया गया है। फिल्म तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी रिलीज होगी। नंबी नारायणन, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। 1994 में, उन्हें झूठा आरोप लगाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। यह फिल्म उनके जीवन का पता लगाते हुए इस लाइफ ड्रामा रहस्य के पीछे की सच्चाई का खुलासा करेगा।

पुडुचेरी से भाजपा को पहली राज्यसभा सीट मिलना पार्टी के प्रत्येक सदस्य के लिए गर्व की बात : मोदी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। पुडुचेरी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राज्यसभा का पहला सदस्य मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि यह पार्टी के प्रत्येक सदस्य के लिए अत्यंत गर्व की बात है। उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों— सर्वानंद सोनोवाल और एल मुरुगन को क्रमशः असम और मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने पर बधाई भी दी। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, "यह प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारी पार्टी को श्री एस सेल्वागनबथी जी के रूप में पुडुचेरी से पहला राज्यसभा सांसद मिला

है। पुडुचेरी के लोगों ने हम पर जो भरोसा जताया है, उसके आगे हम नतमस्तक हैं। हम पुडुचेरी की प्रगति के लिए काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा, "मेरे मंत्रिमंडलीय सहयोगी श्री सर्वानंद सोनोवाल जी और राज्य मंत्री श्री मुरुगन जी को क्रमशः असम और मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए चुने जाने पर बधाई। मुझे विश्वास है कि वे संसदीय कार्यवाहियों को समृद्ध करेंगे और जनता की भलाई के हमारे एजेंडे को आगे बढ़ाएंगे।" केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में एआईएनआरसी—भाजपा गठबंधन सत्ता में है।

शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसा चढ़कर 73.75 पर पहुंचा

मुंबई, (वेब वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार के दौरान भारतीय रुपया उसके मुकाबले आठ पैसे चढ़कर 73.75 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.79 पर खुला, और शुरुआती कारोबार में 73.75 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की मजबूती को दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.83 पर बंद हुआ था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत चढ़कर 93.44 पर पहुंच गया। इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक सोमवार को पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता थे और शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार उन्होंने 594.63 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर, बीएसई सेंसेक्स 16.19 अंक या 0. 03 प्रतिशत बढ़कर 60,094.07 पर कारोबार कर रहा था, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 24.75 अंक या 0.14 प्रतिशत बढ़कर 17,879.85 पर पहुंच गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.79 प्रतिशत बढ़कर 80.16 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

तालिबान, चीन को रोकने के लिए अमेरिका को भारत के साथ मजबूत संबंध बनाने होंगे: अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन,। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के एक सांसद ने सोमवार को कहा कि चीन और तालिबान को रोकने के लिए अमेरिका को भारत के साथ अपने संबंध मजबूत करने होंगे। कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दौरे पर आए थे और उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ बैठक की थी। वह क्वाड शिखर सम्मेलन में भी शामिल हुए थे। सांसद ने इसी की पृष्ठभूमि में यह टिप्पणी की। सांसद मार्क ग्रीन ने मीडिया प्रतिष्ठान रियल क्लियर डिफेंस के एक लेख में लिखा, ''भारत के साथ रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में हमारा पहला कदम भारत को आवश्यक सैन्य उपकरण मुहैया करवाना होना चाहिए ताकि चीन और अब अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ संतुलन बनाया जा सके।' ग्रीन ने कहा, ''चीन के उभार से निबटने के लिए अमेरिका को भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी मजबूत करनी चाहिए।'' सांसद ने कहा कि 2017 में चतुष्पक्षीय सुरक्षा वार्ता (क्वाड) के बाद से अमेरिका और भारत के बीच बढ़ते संबंधों से वह उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रपति बाइडन की हिंद—प्रशांत रणनीति के केंद्र में हमेशा भारत ही रहेगा। उन्होंने लिखा, ''भारत की रक्षा प्रणाली को उन्नत करने में मदद देकर अमेरिका उसे इतना सशक्त बना सकता है कि वह अपनी रक्षा करने के साथ—साथ हिंद महासागर और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र की भी सुरक्षा कर सके। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद यह और भी महत्वपूर्ण हो गया है। सांसद ने कहा कि बीते 15 वर्ष में अमेरिका और भारत के बीच 20 अरब डॉलर के रक्षा सौदे हुए हैं लेकिन अब यह पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिकों के अफगानिस्तान से लौटने के बाद तालिबान को 80 अरब डॉलर से अधिक के अमेरिकी सैन्य उपकरण मिल चुके हैं। इसके अलावा चीन बीते दो दशक से अपनी सेना का निरंतर आधुनिकीकरण कर रहा है और विश्व में सबसे बड़ी नौसेना अब उसके पास है। उन्होंने कहा कि ऐसे में अमेरिका को भारत की मदद करनी चाहिए।

मोतीगंज में विद्युत व्यवस्था ध्वस्त, जनता त्रस्त और अधिकारी मस्त, विद्युत उपभोक्ता त्रस्त

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। विकासखंड मनकापुर मोतीगंज में भयंकर उमस व तपन व गर्मी से जहां जनता हाय तौबा कर रही है। ध वस्त विद्युत व्यवस्था के चलते जनमानस में हाहाकार मचा हुआ है तो विभागीय अधिकारी एसी व कूलर की हवा लेने में मस्त हैं। मनकापुर विकास खण्ड के अंतर्गत फीडरों पर तैनात कर्मचारी कहीं सो रहे हैं। तो कहीं ताश खेलने का दौर तो कहीं कोल्ड ड्रिंक्स तो कहीं सुरा का दौर जारी रहता है। कब कहाँ विद्युत सप्लाई भेजनी है न कोई निर्धारित समय है न ही कोई रोस्टर। यदि कभी सप्लाई आती है। तो लुप दुप के खेल के चलते लोगों के पंखे, कूलर, फ्रिज व मोटर आदि जल जाते हैं। आए दिन लाइन का फाल्ट बना रहता है। फोन करने के बाद भी कोई कर्मचारी तब तक नहीं जाता जब तक उसे सुविधा शुल्क नहीं मिल जाता। चौपट विद्युत व्यवस्था के कारण भयंकर गर्मी में मीतीगंज के आसपास गांव जनता बेहाल है। ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल कर बागों में पेड़ की छाया में बैठकर अपना समय काट रहे हैं। हैरत की बात है कि जनता की समस्या न तो कोई नेता सुनने वाला है। मोतीगंज क्षेत्र के ग्रामीण वासियों का कहना है कि बिजली का कोई अता पता नहीं है कब आए कब चली जाए। रात के समय में बिजली कभी रोस्टर के हिसाब से नहीं आती है कहीं रात में आई तो चेहरा दिखा कर चली गई आए दिन बिजली विभाग के कर्मचारियों का यही कारनामा है लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। चारों तरफ पानी भरा हुआ है मच्छरों का प्रकोप जारी है लेकिन बिजली विभाग आला अधिकारी सब अपनी मस्ती में मस्त हैं। विनोद कुमार सिंह, राजकुमार, मोनू सिंह, रामदल वर्मा, हनुमान,जहांगीर, राजेन्द्र, विनोद, हरीराम, शिवशंकर आदि ग्रामीणों ने बताया कि पूरे क्षेत्र में विद्युत विभाग में भ्रष्टाचार व निरंतर हो रही विद्युत कटौती को जनप्रतिनिधियों द्वारा की जा रही अनदेखी कहीं आने वाले चुनाव में ले न डूबे। इस संबंध में अधिशासी अभियंता से दूरभाष पर संपर्क करने की कोशिश की गई तो अधिशासी अभियंता का मोबाइल नेटवर्क कवरेज क्षेत्र से बाहर बताया।

नरेंद्र गिरि आत्महत्या मामले में सीबीआई ने तीनों अभियुक्तों को हिरासत में लिया

प्रयागराज। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने महंत नरेंद्र गिरि की कथित आत्महत्या मामले में मंगलवार को सभी तीन अभियुक्तों आनंद गिरि, अद्या प्रसाद तिवारी और संदीप तिवारी को सात दिन के लिए हिरासत में ले लिया। नैनी केंद्रीय कारागार के वरिष्ठ अधीक्षक पीएन पांडेय ने पत्रकारों को बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रयागराज ने आनंद गिरि, अद्या प्रसाद तिवारी और संदीप तिवारी को सात दिन के लिए सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। मंगलवार सुबह नौ बजे इन्हें सीबीआई के पास भेजा गया। उन्होंने बताया कि हिरासत में भेजे जाने से पहले इनकी चिकित्सीय जांच करायी गयी, जिसमें कोई चोट या गंभीर स्थिति नहीं पाई गई। सात दिन बाद वापस जेल आने पर इनका फिर से चिकित्सीय परीक्षण कराया जाएगा और इसकी सूचना अदालत को दी जाएगी। इस बीच, महंत नरेंद्र गिरि की कथित आत्महत्या मामले की सीबीआई जांच उच्च न्यायालय की निगरानी में कराए जाने का अनुरोध करते हुए महिला अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता सहर नकवी ने मंगलवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल की। सहर नकवी ने संवाददाताओं को बताया कि यदि उच्च न्यायालय अपनी निगरानी में सीबीआई से जांच कराएगा और समय समय पर जांच एजेंसी से प्रगति रिपोर्ट मांग कर दिशानिर्देश देता रहेगा तो जांच में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को ईमेल से भेजी गई याचिका में न्यायालय से इस मामले का स्वतः संज्ञान लेकर इसे जनहित याचिका के तौर पर मानने और उचित निर्णय लेने की अपील की गई है। अधिवक्ता ने कहा कि लाखों लोगों की आस्था निरंजनी अखाड़े से जुड़ी हुई है और कई लोग इस अखाड़े के अनुयायी हैं। अगर अदालत की निगरानी में जांच होगी तो लोगों को इसके निष्कर्ष पर पूरा विश्वास होगा।

पूर्व संजय विद्यार्थी जी का सिधौली महमूदाबाद चौराहे पर स्वागत किया गया।

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली—सीतापुर। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं पूर्व मंत्री माननीय संजय विद्यार्थी जी का सिधौली महमूदाबाद चौराहे पर पार्टी कार्यकर्ताओ ने स्वागत किया गया। जिसमे बड़े भाई लवी वर्मा, नवीन प्रकाश सिंह,अल्ताफ रजा,विवेक मौर्य,वकील हाशमी, मो०सैफ,इमरान, अजय राजपूत, मो आरिफ,अरुण कुमार बाराबंकी, मो अमीर, रंजीत यादव ,संदीप लोधी,अमन जायसवाल, आयुष वर्मा,आदि साथी उपस्थित रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी—97/3 व 7,सेक्टर—7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522—4340954 मो0—7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।